میں نے ۱۹۴۷ سے پہلے کی راجنیتی دیکھی ہے۔ کٹرتا ہے سیاسی مخالفت میں، لیکن جب ذاتوں کے معاملے آتے تھے، جاتیے معاملے آتے تھے تو ہر سیاستدان دوست کے جاتیے معاملے میں دوست کی مدد کرنے کی کوشش کرتا تھا۔اب وہ وضداریا ٹوٹ رہی ہے اور میں تو بہت بھاری دل کے ساتھ یہ کہنا چاہتا ہوں کی وہ وضع داریاں وہ خوبصورت جو ہمارے رشتہ میں رہنی چاہیں ہمیں انہونے واپس لینا چاہئے۔رام داس جی کی حمایت میں مجھے کچھ نہیں کہنا ہے۔ رام داس جی خود ہی آکر بات کر سکتے ہیں۔ دگ و جے جی نے کہا کہ پریولیج کمیٹی میں یہ سوال جائےگا۔تو اس کے بارے میں میں کچھ اسلئے نہیں کہنا چاہتا کیونکہ میں خود آپ کے ساتھ پریولیج کمیٹی کا ممبر ہوں، لیکن احمد پٹیل صاحب کا نام جس طرح سے بیچ میں آیا ہے، میرے بس میں نہیں کہ میں اس تمام سائیکل کو رورس کر سکوں۔ میری سمجھ میں نہیں آ رہا اور مجھے افسوس ہے کہ ہم لوگ اپنے رشتوں کو اچھا نہیں کر سکیں۔پریولیج کے بارے میں آپ طے کریں۔ہاؤس طے کرے جو کچھ کرنا ہے، رام داس جی کو سبٹینسی ایشن مانگنا ہے، ان سے مانگا جائے، مگر میرے خیال سے اس راستے پر چلکر اس کا کوئی حل نہیں نقل سکیگا۔ اگر ہم احمد پٹیل صاحب کے ساتھ جو واقیہ گزرا ہے، اسکو مثال بناکر اپنے رشتوں کو مہزب رشتہ بنا سکتے ہیں ایک ہاؤس کا ممبر بن کر تومیں اسکو بہتر سمجھونگا۔شکریہ۔ "ختم شد"

THE MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY BILL, 1995.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to establish and incorporate a University at the National level mainly to promote and develop Urdu language and to impart vocational and "technical education in Urdu medium through conventional teaching and distance education system and to provide for matters connected therewith or incidental thereto.

The *question was put and the motion was adopted.*

KUMARI SELJA: Madam, I introduce the Bill.

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, इस का स्वागत करते हुए यह कहना चाहता हूं कि अब दो दिन और हाउस की बैठेगें है, अगर सरकार चाहे तो बातचीत कर के दो दिन के अंदर दोनों बिलों को पास कर सकती है । एक साथ ये हिंदी विश्वविद्यालय और उर्दू विश्वविद्यालय के बिल आए हैं और मैं यह भी चाहता हूं कि गांधी जी की जयन्ती 2 अक्टूबर से ये दोनों विश्व-विद्यालय शुरू हो जाए । मैं चाहता हूं कि सरकार इस संबंध में सदन में आश्वासन दे ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैडम मैं भी अपने को इससे संबद्ध करता हूं ।

उपसभापति : बिल तो आया ही नहीं अभी । एक और है – महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व-विद्यालय बिल, 1995 । उसे भी इंट्रोड्यूस हो जाने दीजिए । फिर दोनों पर इकट्ठा बोल दीजिएगा ।

THE MAHATMA GANDHI ANTRARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA BILL, 1995.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) KUMARI SELJA): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to establish and incorporate a teaching University for the promotion and development of Hindi language and literature, through teaching and research, with a view to enabling Hindi to achieve greater functional efficiency and recognition as a major international language and to provide, for matters connected therewith and incidental thereto.

The question was proposed

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, मैं इस का स्वागत करते हुए एक ही बात कहूंगा कि हिंदी विश्व-विद्यालय का बिल तो कम-से-कम हिंदी में इंट्रोड्यूस करना चाहिए था । इससे बढ़कर दुख की बात कुछ नहीं हो सकती है कि महात्मा गांधी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय विश्व-विद्यालय पर यह बिल सदन के सामने रख रही है । और वह भी अंग्रेजी में रख रही है । अगर वह हिन्दी नहीं जानती तो मैं समझ सकता था । मैडम, इससे बड़ा विरोधाभास और क्या होगा? मैं चाहता हूं आप की आज्ञा से कि एक बार हिंदी में पढ़कर वह इस बिल को रखें ।

1.00 P.M.

यह कितने विरोधाभास की बात है कि जब एक बिल पेश किया जा रहा है अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का और वह भी उन्होंने अंग्रेजी में पेश किया । मैं चाहता हूं कि इसको हिंदी में करें । यह मेरा अनुरोध । ...(**व्यवधान**)...

कुमारी शैलजा : मैडम, मैं हिन्दी में कह देती हूं । ...(**व्यवधान**)...

SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN: He cannot dictate to the Minister. Then we can also dictate to the Minister.

उपसभापति : अच्छा let the Bill be introduced.

शंकर दयाल जी, अब आप कहेंगे कि आप कहिए कि जो इसके पक्ष में हैं वह "हां" बोलें । ...(**व्यवधान**)...

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैडम, मैं इसके इंटरोडक्शन पर बोलना चाहता हूं ।

उपसभापति : पहले इंटरोड्यूस तो हो जाए, उसके बाद बोल दीजिएगा ।

The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill to establish and incorporate a teaching University for the promotion and development of Hindi language and literature, through teaching and research, with a view to enabling Hindi to achieve greater functional efficiency and recognition as a major international language and to provide for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

KUMARI SELJA: Madam, I introduce the Bill.

उपसभापति : बोलिए मल्होत्रा जी, आप क्या कह रहे हैं ।